

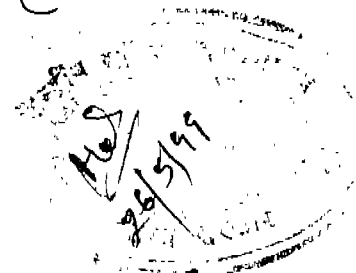


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 38]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 16, 1999/माघ 27, 1920

No. 38]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 16, 1999/MAGHA 27, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1999

अंतिम निष्कर्ष

विषय : फ्रांस से पी टर्ट बुटाइल कैटेकोल के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच—अंतिम निष्कर्ष ।

सं० 19/1/97/ए डी डी.—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिसूचना, 1975 और उसके सीमा-शुल्क टैरिफ ॥पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण ॥ नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क.

प्रक्रिया.

1

नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है :

I॥

निर्दिष्ट प्राधिकारी ॥आगे प्राधिकारी भी कहा गया है ॥ ने दिनांक 26 नवम्बर, 1998 की अधिसूचना द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया था तथा हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तिथि से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचार भेजने का अनुरोध किया था ;

II॥

प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों का प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तिथि से चालीस दिनों के भीतर अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया था ।

III॥

प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति नई दिल्ली स्थित फ्रांस के दूतावास को भी इस अनुरोध के साथ भेजी थी कि निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने-अपने विचार भेजने का परामर्श दिया जाए ।

IV॥

प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को 11 जनवरी, 1999 को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था । मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत कर रही सभी पार्टियों से, मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज कराने का अनुरोध किया गया था । पार्टियों से, प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने और उनका खंडन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ;

- V। प्राधिकारी ने, अनुरोध पर लगी हितबद्ध पार्टियों को, विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय रूपान्तरणों वाली सार्वजनिक फाइल उपलब्ध करवाई थी ।
- VI। प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क, जिनका अधिसूचित प्रारंभिक निष्कर्षों में उल्लेख किया गया है , को इसमें संक्षिप्तता के कारण दोहराया नहीं गया है । परन्तु हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क पर प्रारंभिक निष्कर्षों और/या इन निष्कर्षों में उचित ढंग से विचार किया गया है ;
- VII। उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार, इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों / आधार को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रकट किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है ।
- ख. वादियों, निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार और अधिकारी द्वारा उनकी जाँच
2. विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर, इसमें नीचे दिए तर्कों की जाँच की गई, उन पर विचार किया गया तथा जहाँ कहीं भी उचित समझा गया है, वहाँ इसमें नीचे दिए गए पैराग्राफों में चर्चा की गई है ।
- ग. विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तुएं और स्वदेशी घरेलू उद्योग
3. मौजूदा जांच में विचाराधीन उत्पाद पी टर्ट बुटाइल कैटेकोल है । विचाराधीन उत्पाद पर कोई विवाद नहीं है और इसलिए प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के संबंध में प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं ।

#### वादी तथा स्वदेशी उद्योग

4. कुल स्वदेशी उत्पादन में वादी का बड़ा हिस्सा है । अतः वादी वर्तमान याचिका को फाईल करने के स्थान में है तथा नियमों के अर्थ के अन्तर्गत स्वदेशी उद्योग है ।
5. यह तर्क दिया गया है कि पीटीबीसी को क्वालिटी ही मूल्यों को निर्धारित करने का प्रमुख आधार है । क्वालिटी में अन्तरों, यदि कोई हों, का प्रभाव पाटन या क्षति की सीमा पर, इसमें रुचि रखने वाली किसी भी पार्टी द्वारा नहीं दर्शाया गया है । अतः इस तर्क को अनदेखा कर दिया गया है । इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि स्वदेशी उद्योग से उत्पादित माल, तथा फ्रांस से आयातित माल विशेषताओं की दृष्टि से जैसे भौतिक विशेषताएँ, कार्य तथा उपयोग, टेक्नोलॉजी, उत्पादन प्रक्रिया, विपणन मार्ग, मूल्य-निर्धारण तथा उपभोक्ता संकल्पना में एक समान हैं और तकनीकी दृष्टि एवं वाणिज्यिक दृष्टि से एक-दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त करने योग्य हैं । कार्य के पैमाने में अंतर, यदि कोई हो, से दोनों माल इन विशेषताओं के संदर्भ में, उसके गुणों में परिवर्तन नहीं करते । अतः स्वदेशी उद्योग द्वारा उत्पादित माल और विचाराधीन उत्पाद, एक समान वस्तु है ।

6. उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी इस बात के संबंध में आरंभिक जांच की पुष्टि करता है कि विचाराधीन उत्पाद और स्वदेशी उद्योग का उत्पाद एक समान वस्तु हैं ।

घ. पाटन

7. प्राधिकारी ने नोट किया कि प्राधिकारी द्वारा अस्वीकृत किये गए मूल्य समायोजनों के संबंध में, आरंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किये जाने के बाद रोनेपोलैंक ने और आगे कोई सूचना नहीं दी है । पाटन मार्जिन का हिसाब लगाने के लिए आरंभिक निष्कर्षों से प्राप्त सभी सूचनाएँ ध्यान में लायी गई हैं ।

8. वादी के इस तर्क के संबंध में कि यह अन्य देशों को बहुत ऊँचे दामों पर निर्यात करने में सफल रहा है तथा रोनेपोलैंक ने भारत के बाजार में मूल्यों को बहुत कम रखा है, प्राधिकारी ने नोट किया कि पाटन से संबंधित केवल सम्बद्ध मामलों और पाटन की सीमा, सामान्य मूल्य तथा निर्यात के निर्यात मूल्य हैं । वादी अपना माल जिस मूल्य पर निर्यात कर सकता है, यह बात इस प्रयोजन के लिए असंबद्ध है ।

9. रोनेपोलैंक ने तर्क दिया है कि इसे एक बड़े दल को बनाए रखना पड़ता है जिसका मुख्य काम पीटीवीसी के उत्पादकों को यह बताकर सहायता करना है कि रोडिया उत्पाद को किस प्रकार से प्रयोग किया जाए । प्राधिकारी ने स्वीकार किया कि निर्यात को एक बड़ा दल रखना पड़ता है और निर्यात ने इसके लिए मूल्य समायोजन मांगा होगा । तथापि, चूंकि निर्यात ने कोई मासिक मूल्य समायोजन नहीं मांगा है, मूल्य संबंधी कोई समायोजन संभव नहीं है ।

10. आरंभिक निष्कर्षों में दिया गया सामान्य मूल्य, रोनेपोलैंक द्वारा दी गयी सूचना के आधार पर तय किया गया था । आरंभिक निष्कर्षों में निर्यात मूल्य, निर्यात तथा वादी के दावों को मिलान करने के बाद निश्चित किया गया था । चूंकि निर्यात ने प्राधिकारी द्वारा अस्वीकृत मूल्य समायोजनों के मामले में और आगे सूचना नहीं दी है, प्राधिकारी पाटनमार्जिन निश्चित करने के लिए आरंभिक निष्कर्षों का पुष्टि करना उचित समझता है ।

11. उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी, पाटन एवं पाटन मार्जिन के निश्चयन के संबंध में आरंभिक निष्कर्षों को पुष्टि करता है ।

ड. क्षति तथा कारणात्मक संबंध

12. ~~निरीक्षण~~  
हित-बदल पार्टीयों द्वारा दिए गए तर्कों तथा प्राधिकारी द्वारा की गयी उनकी जांच निम्नलिखित है :-

### दिया गया तर्क

---

- क. स्वदेशी उद्योग को क्षति फ्रांस से पाटित अयातों द्वारा नहीं है । यह अन्य भारतीय उत्पादकों के कारण है जिन्होंने बादी को हानि करते हुए बाजार में अपनी हिस्सेदारी प्राप्त की है ।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

---

जैसा कि आरंभिक निष्कर्षों में भी दिया गया था, फ्रांस से पीटीबीसी का आयात निर्दिष्ट अर्थों में बढ़ है तथा भारत में उपभोग के संबंध में भी बढ़ है । अतः हितवद पार्ति के तर्क को अस्वीकार किया जाता है ।

### दिया गया तर्क

---

- ख. रोम पेट्रॉल ने जापान से निर्यात विस्थापित किये हैं, न कि स्वदेशी उद्योग के बाजार में हिस्से को प्रभावित किया है ।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

---

जैसा कि पिछले पैरा में कहा गया है, फ्रांस से पीटीबीसी के आयात निर्दिष्ट अर्थों में और साथ ही भारत में उपयोग के अर्थों में बढ़े हैं । अतः हितवद पार्ति का तर्क अस्वीकार किया जाता है ।

### दिया गया तर्क

---

- ग. स्वदेशी उद्योग को कैट-कॉल का आयात करना पड़ा जिससे उत्पादन की लागत बढ़ गयी । कैट-कॉल की ऊँची लागत, स्वदेशी उद्योग को हानि का कारण है ।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

---

प्राधिकारी ने नोट किया कि निर्यातक ने यह तर्क करते हुए कि स्वदेशी उद्योग के लिए कैट कॉल की कीमत उच्चतर है, न तो अपने उत्पादन की लागत और न ही कैट कॉल की कीमत प्रस्तुत की । और भी, जैसा कि आरंभिक निष्कर्षों के पैरा 34 में भी कहा गया था, प्राधिकारी ने भारत में पीटीबीसी के उचित बिक्री मूल्य का निर्धारण उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करते हुए किया था । इसके अलावा, दो उत्पादकों के कैट कॉल की कीमत की तुलना करना अनुचित होगा । क्योंकि बिक्री, सामान्य तथा प्रशासनिक खर्चों सहित उत्पादन की कुल कीमत ज्यादा संबंधित है । अतः तर्क को अनदेखा किया जाता है ।

### दिया गया तर्क

---

- घ. निर्यातक ने तर्क दिया है कि स्वदेशी उद्योग को क्षति पर विचार, अन्य भारतीय उत्पादकों को हुई क्षति को साथ लेते हुए किया जाना चाहिए ।

### प्राधिकारी द्वारा जाँच

वादी, नियमों के अर्थ के अन्तर्गत स्वदेशी उद्योग है । और भी, वादको परसाइनिक कैमिक्ल्स द्वारा सहायता, कम्पनी को इस बात के लिए बाध्य नहीं करती कि वह प्राधिकारी को सभी संबंधित सूचना उपलब्ध करए, विशेष रूप से जबकि वादी 'नियमों के अधीन 'स्वदेशी उद्योग' को व्याख्या को संतुष्ट करता है, अतः तर्क को अस्वीकार किया जाता है ।

### दिया गया तर्क

डु. जापान ने सितम्बर, 1998 में भारत को अमरीकी डालर 5.6 प्रति किलो ग्राम की दर से पीठेबीसी का निर्यात किया था । इस प्रकार जापान से निर्यातक पाटन कर रहे हैं तथा आयातों की मात्रा भी भारी है ।

### प्राधिकारी द्वारा जाँच

जापान द्वारा पाटन संबंधी कोई अभियोजन नहीं है और इसलिए ये तर्क वर्तमान जाँच के दायरे के बाहर हैं । केवल नीचे मूल्य पर बिक्री करना पाटन नहीं बनता । केवल यही नहीं कि निर्यात जाँच की अवधि से बाहर का है, बल्कि जापान में पीठेबीसी के सामान्य मूल्य के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है । अतः यह तर्क अस्वीकृत किया जाता है ।

1.3 क्षति पर भारतीय उद्योग द्वारा दिये गए तर्क निम्नलिखित हैं:-

### दिया गया तर्क

क. परसायनिक कैमिक्ल्स ने कहा है कि इसने भी पाटित आयातों से क्षति उठाई है, क्योंकि इसे अक्टूबर, 96-मार्च, 97 की अवधि के दौरान अपने मूल्यों में 16 प्रतिशत से अधिक तथा अप्रैल, सितम्बर, 97 की अवधि में 25 प्रतिशत या अधिक की कमी करनी पड़ी है ।

### प्राधिकारी द्वारा जाँच

परसायनिक कैमिक्ल्स ने अपनी बात को सिद्ध करते हुए सूचना नहीं दी है । और भी, वादी, नियमों के अर्थ के भीतर 'स्वदेशी उद्योग' है । अतः परसायनिक कैमिक्ल्स के दावे को अनदेखा किया जाता है ।

## दिया गया तर्क

- ख. प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित पाटनरोधी सीमाशुल्क का स्तर अपर्याप्त है ।  
प्राधिकारी द्वारा जाँच

जैसा कि आरंभिक निष्कर्षों में कहा गया था, अनुमोदित पाटनरोधी सीमा-शुल्क की राशि, पाटन मार्जिन के निम्नतर और क्षति की सीमा तक, पर आधारित है । प्राधिकारी ने उचित बिक्री मूल्य तथा क्षति की सीमा का आरंभिक निष्कर्षों में अकलन किया है । तथापि, इन्हें इन निष्कर्षों के प्रयोजन के लिए भी दोबारा आकलित किया गया है ।

## च. अंतिम निष्कर्ष

14. उपरोक्त पर विचार करते हुए प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि :—  
क। फ्रांस के मूल के या वहां से निर्यातित पी टर्ट बुटाइल कैटेकोल का भारत में सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात किया गया है ।
- ख। घरेलु उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।
- ग। फ्रांस के मूल के या वहां के निर्यातित संबंध वस्तु के पाटन द्वारा घरेलु उद्योग को क्षति हुई है ।
15. पाटनरोधी शुल्क लगाने के संबंध में प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं और फ्रांस के मूल के या वहां से निर्यातित, अध्याय 29 के अंतर्गत आने वाले पी टर्ट बुटाइल कैटेकोल के सभी आयातों में इन निष्कर्षों तथा आरंभिक निष्कर्षों में विचाराधीन उत्पाद से संबंधित पैरा में दिए गए विवरण के अनुसार निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं । यह पाटन रोधी शुल्क रु० 48.03 प्रति किलो है।
16. इस प्रयोजन के लिए आयातों की पहुंच कीमत वह शुल्क निर्धारण योग्य होगी जैसी कि सीमाशुल्क कार्यालय द्वारा सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत निर्धारित की जाएगी और सीमा शुल्क टैरिफ, 1975 की धारा 3, 3ए, 8 बी, 9 और 9 ए, जैसा भी मामला हो, को छोड़ कर सभी शुल्क, मूल्यांकन योग्य होंगे ।
17. उपरोक्त के अधीन रहते हुए, प्राधिकारी तारीख 26.12.1998 के आरंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करता है ।
18. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमा-शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं स्वर्ण निर्यातण अपीलीय न्यायाधिकरण में उक्त अधिनियम के अनुसार दायर की जा सकेगी ।

## MINISTRY OF COMMERCE

## NOTIFICATION

New Delhi, the 15th February, 1999

## FINAL FINDINGS

**Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of P Tert Butyl Catechol from France—Final Findings**

**No. 19/1/97/ADD.—** Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

**A. PROCEDURE**

1. The Procedure described below has been followed:
  - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified preliminary findings vide notification dated the 26<sup>th</sup> Nov., 1998 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
  - ii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
  - iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassy of France in New Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings;
  - iv) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 11<sup>th</sup> Jan., 1999. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;
  - v) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties, for inspection, upon request;
  - vi) Argument raised by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties have been appropriately dealt in the preliminary findings and/or these findings;
  - vii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings.

**B. VIEWS OF PETITIONERS, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY**

2. The views expressed by various interested parties have been discussed in the relevant paras hereinbelow. The arguments raised by the interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt in the relevant paras hereinbelow.

**C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION, LIKE ARTICLES AND DOMESTIC INDUSTRY**

3. Product under consideration in the present investigations is P Tert Butyl Catechol (hereinafter also referred to as PTBC). There is no dispute on the product under consideration and, therefore, the Authority confirms preliminary findings with regard to product under consideration.

**Petitioner, like article and domestic industry:**

4. The petitioner accounts for a major proportion of the total domestic production. The petitioner, therefore, satisfies the standing to file the present petition and constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.
5. It has been argued that quality of PTBC is a major consideration for determination of the prices. The effect of the differences in quality, if any, on the extent of dumping or injury have, however, not been demonstrated by any interested party. The argument is, therefore, ignored. There is no dispute that the goods produced by the domestic industry and goods imported from France are similar in terms of characteristics such as physical characteristics, function & uses, technology, production process, marketing arrangements, pricing and customer perception and are technically and commercially substitutable. Difference in scale of operation, if any, does not alter the properties of the two goods in terms of these characteristics. The goods produced by the domestic industry are, therefore, like article to the product under consideration.
6. In view of the foregoing, the Authority confirms preliminary findings with regard to the product under consideration, like article, and domestic industry.

**D. DUMPING**

7. The Authority notes that with regard to the price adjustments disallowed by the Authority, Rhone Poulenc have not furnished any further information after notifying the preliminary findings. All the information furnished before preliminary findings have been taken into account for working out dumping margin.
8. With regard to the argument of the petitioner that it has been able to export to other countries at much higher price and Rhone Poulenc has kept the prices in the Indian market at very low level, the Authority notes that the only relevant issues



with regard to dumping and the extent of dumping are the normal value in the subject country and export price to India. The price at which the petitioner could export its goods to other countries are irrelevant for this purpose.

9. Rhone Poulenc has argued that it has to maintain a large team, whose primary function is to support users of PTBC with guidance on how to use the Rhodia product. The Authority appreciates that the exporter might be maintaining a large team and the exporter could have claimed price adjustment on this account. However, since the exporter has not claimed any quantified price adjustment, no price adjustment is feasible.
10. Normal value in the preliminary findings was determined on the basis of the information furnished by Rhone Poulenc. The export price was arrived at in the preliminary findings by correlating the claims of the exporter and the petitioner. Since the exporter has not furnished any further information in respect of the price adjustments disallowed by the Authority, the Authority considers it appropriate to confirm the preliminary findings with regard to determination of dumping margin.
11. The Authority, in view of the foregoing, confirms preliminary findings with regard to determination of dumping and dumping margin.

E. INJURY AND CAUSAL LINK

12. The arguments raised by the interested opposing parties and examination of the same by the Authority are as under:

Argument raised:

- a. Injury to the domestic industry is not from dumped imports from France. The same is because of the other Indian producer, who has gained market share at the cost of the petitioner

Examination by Authority:

As brought out in the preliminary findings also, imports of PTBC from France increased in absolute terms as also relative to consumption in India. The argument of the interested party is, therefore, rejected.

Argument raised:

- b. Rhone Poulenc has displaced the exports from Japan and not market share of domestic industry,

Examination by Authority:

As stated in the previous paragraph, imports of PTBC from France increased in absolute terms as also relative to consumption in India. The argument of the interested party is, therefore, rejected.

Argument raised:

- c. The domestic industry has to import Catechol resulting in increase in cost of production. The high cost of Catechol is the result of injury to the domestic industry.

Examination by Authority:

The Authority notes that the exporter, while arguing that the cost of Catechol for the domestic industry is higher has neither furnished its own cost of production nor its cost of Catechol. Further, as stated under para 34 of the preliminary findings also, the Authority has assessed reasonable selling price of PTBC in India by considering optimum cost of production. Moreover, it would be inappropriate to compare mere cost of Catechol of two producers, as what is more relevant is the total cost of production, including selling, general & administrative expenses. The argument is, therefore, ignored.

Argument raised:

- d. The injury to the domestic industry should now be considered taking into account the injury to the other Indian producer.

Examination by Authority:

The petitioner constitutes domestic industry within the meaning of the Rules. Further, support to the petition by Percynic Chemicals does not bind the company to furnish all relevant information to the Authority, particularly when the petitioner satisfies the definition of the term "domestic industry" under the Rules. The argument is, therefore, rejected.

Argument raised:

- e. Japan has exported PTBC to India at US \$ 5.6 per kg. in Sept., 1998. The exporter from Japan are thus resorting to dumping and the volume of imports are also substantial.

Examination by Authority:

There is no allegation of dumping by Japan and hence these arguments are outside the scope of the present investigations. Mere sales at low prices does not constitute dumping. Not only that the export is beyond the investigation period, but also there is no information available about normal value of PTBC in Japan. The argument is, therefore, rejected.

13. The arguments raised by the Indian industry on injury are as follows:

Argument raised:

- a. Percynic Chemical has stated that it has also suffered injury from the dumped imports, as it had to reduce the prices by more than 16% for the period Oct. 96-March, 97 and by 25% or more for the period April-Sept., 1997.

Examination by Authority:

Percynic Chemicals has not furnished supporting information. Further, the petitioner constitutes "domestic industry" within the meaning of the Rules. Injury has been determined for the domestic industry within the Rules. The contention of Percynic Chemicals is, therefore, ignored.

Argument raised:

The level of anti-dumping duty recommended by the Authority is insufficient.

Examination by Authority:

As stated in the preliminary findings also, the amount of anti-dumping duty recommended is based on the lower of the dumping margin and the extent of injury. The Authority assessed the fair selling price and extent of injury in the preliminary findings. The same has, however, been assessed again for the purpose of these findings also.

**F. FINAL FINDINGS**

14. The Authority, after considering the foregoing, concludes that:
  - a. P Tert Butyl Catechol originating in or exported from France has been exported to India below its normal value;
  - b. the domestic industry has suffered material injury,
  - c. the injury has been caused to the domestic industry by dumping of the subject goods originating in or exported from France.
15. The Authority confirms the preliminary findings with regard to imposition of anti-dumping duty and recommends imposition of definitive anti-dumping duty on all imports of P Tert Butyl Catechol (as per details brought in the para relating to product under consideration in these findings as also in the preliminary findings) falling under chapter 29 originating in or exported from France. The anti-dumping duty shall be Rs.48.03per kg.
16. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9 or 9A, as the case may be, of the Customs Tariff Act, 1975.
17. Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dated 26.12.1998.
18. An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

RATHI VINAY JHA. Designated Authority & Addl. Secy

